Press Release

Role of Communication in Good Governance stressed

Shimla: 20.04.2017. Public Relation Society of India (PRSI) Shimla Chapter in collaboration with School of Media & Mass Communication of AP Goyal Shimla University today organized a symposium on 'Effective Communication for Good Governance' on the eve of National Public Relation Day to mark the Day by the PRSI throughout the country. Dr. Ashwani Kumar Pro Chancellor AP Goyal Shimla University was the chief guest and Dr. Ashok Kumar Raghar, VC, AP Goyal Shimal University presided over the symposium. Dr. Pramod Sharma, Professor University Business School of HP University and Professor Vikas Dogra Chairman Department of Journalism and Mass Communication, HP University were the main speakers and deliberated thoroughly on the subject.

Dr. Ashwani Kumar Pro Chancellor of AGU emphasized the need of effective communication for good governance and said that bureaucracy and media should be responsive to the needs of the people which could go a long way in ensuring effective governance. He said that unless the programs and policies of any government or organization is communicated effectively good governance couldn't be expected.

Dr. Ashok Kumar Raghav Vice Chancellor Shimla University said that it was essential that communication contents and those who govern they should have good attention to serve the people in the right perspective. He said that language also plays an important role in effective communication and communicators should see in which language he has to convey message to the general masses so that the message was understood in clear terms.

Dr. Pramod Sharma said that Indian democracy was one of the best forms of governance. He said that there had been a number of good communicators from the very beginning and cited the example of Mahatma Gandhi who spread his messages at a time when there were negligible mode of communication. He said today Prime Minister Mr. Narendra Modi has emerged the most effective communicators not in India but also in the world.

Dr. Vikas Dogra emphasized the importance of communication in good governance. He said that it was the only communication skills which help to take the message to the people to achieve the desired objectives of any organization.

Sri Ashok Sharma Chairman PRSI Shimla Chapter in his welcome address dwelt upon the importance of National Public Relation Day and also the activities of the PRSI. He thanked the AP Goyal Shimla University for its association in organizing the symposium.

Dr. Ramesh Chauhan, Head of School of Media & Mass Communication AGU said that the university would endeavor to organize such more activities in the university in near future. He also thanked the PRSI for organizing this symposium in the university campus.

Sri Ranveer Verma proposed the vote of thanks. The symposium was attended by the faculties of the university, students of journalism, management and law and also other PR practiceners of Shimla.

प्रेस विज्ञप्ति

कुशल प्रशासन के लिए प्रभावी संचार के महत्व पर बल

शिमलाः 20 अप्रैल। पब्लिक रिलेशन सोसाइटी इंडिया शिमला चैप्टर ने आज ए पी गोयल शिमला विश्वविद्यालय शिमला के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल पब्लिक रिलेशन दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का विषय "कुशल प्रशासन में प्रभावी संचार का महत्व" था। ए पी गोयल शिमला विश्वविद्यालय के प्रवर कुलाधिपति एवं पूर्व राज्यपाल डॉ अश्विनी कुमार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अशोक कुमार राघव ने इस आयोजन की अध्यक्षता की। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रमोद शर्मा और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ विकास डोगरा ने इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में विषय पर अपने वक्तव्य दिये।

इस अवसर पर डॉ अश्विनी कुमार ने कहा कि कुशल प्रशासन के लिए प्रभावी संचार महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह भी जरूरी है कि ब्यूरोक्रेसी और मीडिया को भी जनाकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। इसके बिना प्रशासन को प्रभावी नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि मीडिया अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह सही ढंग से नहीं कर पा रहा है। इसके लिए मीडिया को आत्म–विश्लेशण करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अशोक कुमार राघव ने कहा कि जनता में जो संदेश जाये उसकी विषयवस्तु बिलकुल स्पष्ट होनी चाहिए और प्रशासकों की नीयत स्पष्ट होनी चाहिए तभी लोगों को कुशल प्रशासन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि जनसंचार में भाषा का विशेष महत्व होता है उसी के माध्यम से वक्ता अपनी बात व्यापक समाज तक पहुंचा सकता है।

डॉ प्रमोद शर्मा ने अपने वक्तव्य में भारतीय प्रजातंत्र के महत्व पर बल देते हुए कहा कि इस प्रणाली में संचार की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आरम्भ में जब संचार के सीमित साधन थे तो महात्मा गांधी जैसे महापुरूषों ने अपना संदेश जन–जन तक पहुंचाने के लिए भाषा और प्रतीकों के माध्यम से जनता से सार्थक संवाद स्थापति किया। उन्होंने कहा कि अनेक बड़े नेता एक अच्छे संचारक के रूप में उभरे हैं उनमें देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी एक हैं।

डॉ विकास डोगरा ने अपने वक्तव्य में कहा कि संदेश लोगों तक सही परिप्रेक्ष्य में पहुंचे इसके लिए संचार कौशल की विशेष भूमिका रहती है।

पीआरएसआई शिमला चैप्टर के अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए नेशनल प्रेस दिवस के महत्व पर बल दिया और सोसाइटी के शिमला चैप्टर की गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला।

डॉ रमेश चौहान विभागाध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग शिमला विश्वविद्यालय ने कहा कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय इस प्रकार के आयोजनों करवाता रहेगा। उन्होंने इस कार्यक्रम को इस विश्वविद्यालय में करने के लिए धन्यवाद किया।

पीआरएसआई के महासचिव डॉ रनवीर वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।